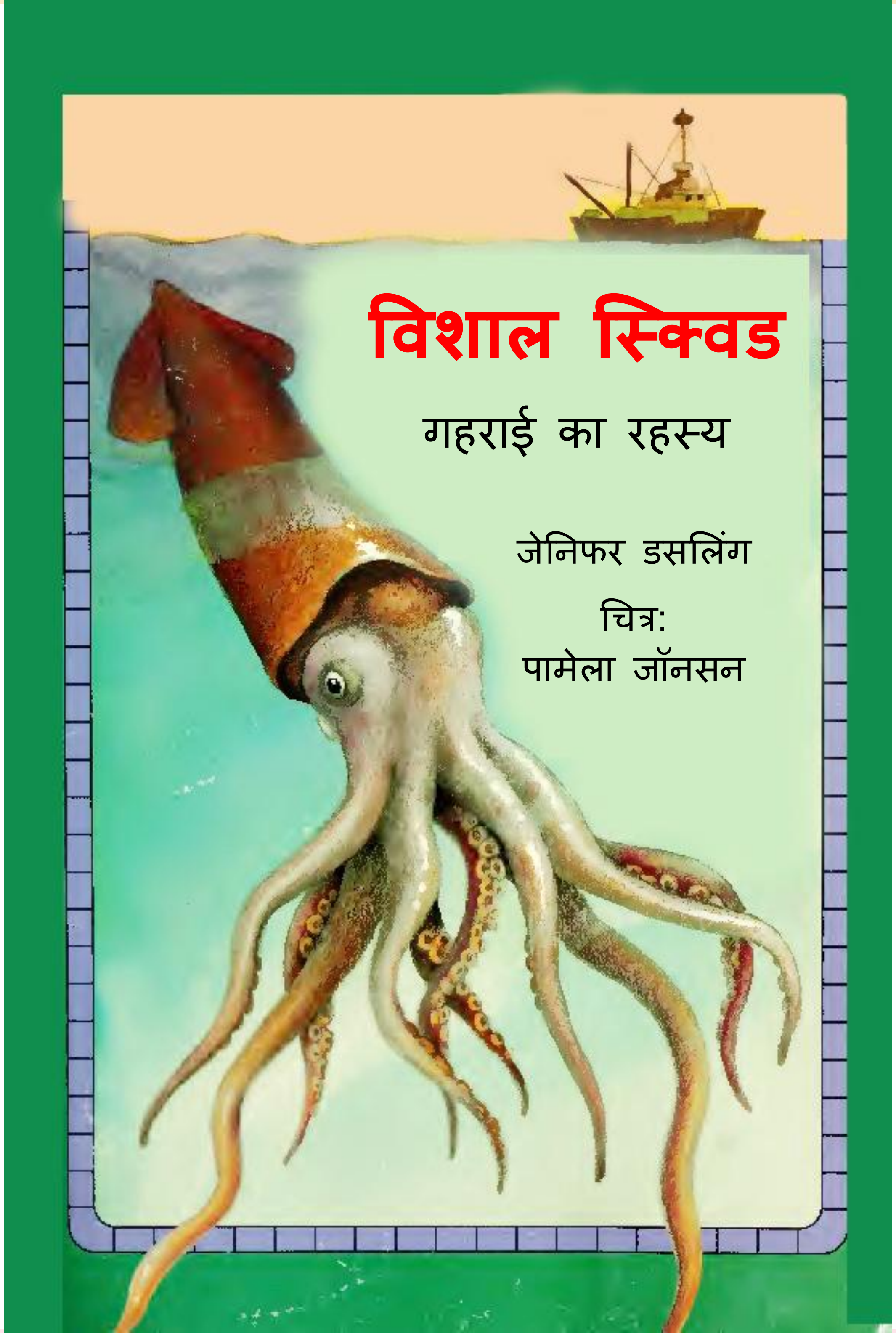


विशाल स्क्विड

गहराई का रहस्य

जेनिफर डसलिंग

चित्र:
पामेला जॉनसन



विशाल स्क्विड

गहराई का रहस्य



जेनिफर डसलिंग

चित्र: पामेला जॉनसन



अध्याय 1

दिसंबर 1997

दूर, न्यूज़ीलैंड के तट पर,
एक मछली पकड़ने वाली नाव
समुद्र की लहरों पर तैर रही है.



वो एक बड़ी नाव है,
और वो कई महीनों तक समुद्र में रहेगी.

चालक दल गहरे पानी में एक बड़ा जाल डालता है.
इससे उन्हें और मछलियाँ पकड़ने में मदद मिलेगी.
फिर उन्होंने जाल खींचा.
आज उन्हें एक बड़ा आश्चर्य मिला.
उस जाल मेंगहरे लाल रंग की कोई लंबी चीज़ है—
लगभग 25 फीट लंबी.

वो कोई मछली नहीं है.
इतना पक्का है.



मछुआरे जानते हैं कि वो क्या है.
वो एक मृत विशाल स्क्विड है—
दुनिया के सबसे रहस्यमय जीवों में से एक!



वे यह भी जानते हैं कि एक ऐसा आदमी है
जो यह खबर सुनकर बहुत खुश होगा.
लेकिन उस आदमी को अभी इंतज़ार करना होगा.
क्योंकि नाव अभी कई हफ़्तों तक मछली पकड़ेगी.



अध्याय 2

वेनिस, इटली

मार्च 1998

तीन महीने बाद
नील लैंडमैन को एक फ़ोन आया.
वो नील न्यूयॉर्क शहर में
अमेरिकी प्राकृतिक इतिहास
संग्रहालय में काम करते हैं.
वह स्क्विड का विशेषज्ञ हैं.
लेकिन रात हो चुकी है.
और वह इटली में छुट्टियों पर हैं.
इस समय उन्हें कौन फ़ोन करेगा?
न्यूज़ीलैंड से उनका एक दोस्त.
उनका वो दोस्त भी एक स्क्विड विशेषज्ञ है.
“हमारे पास एक विशाल स्क्विड है,”
उसने नील से कहा.
“क्या तुम उसे लेना चाहोगे?”
नील को पहले तो यकीन ही नहीं हुआ.



एक विशाल स्क्विड!
वह वर्षों से संग्रहालय के लिए
एक स्क्विड पाने की उम्मीद करता रहा था.
बेशक वह उसे लेना चाहेगा!

इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है
कि नील इतना उत्साहित है.
विशाल स्क्विड एक बड़ा रहस्य है.
वो जीव समुद्र की गहराई में,
सतह से लगभग एक मील नीचे रहता है.
चिड़ियाघरों में भी विशाल स्क्विड नहीं होते.
किसी ने भी उसे कभी जीवित नहीं पकड़ा है.

इसलिए इन जीवों के बारे में
ज़्यादा जानकारी नहीं है.
हमें पक्का पता नहीं है
कि वे कितने समय तक जीवित रहते हैं,
कितनी तेज़ी से बढ़ते हैं,
कितनी तेज़ी से तैरते हैं,
वे साथ रहते हैं या अकेले.





कभी-कभार, किसी मृत
विशाल स्क्विड का कोई हिस्सा
समुद्र तट पर बहकर आ जाता है.

लेकिन आमतौर पर लोगों को
बस एक या दो ही
लंबे तंतु ही मिलते हैं.



बहुत पहले,
लोग सोचते थे कि वे तंतु
किसी विशाल राक्षस के होंगे.
लोग क्रैकन नामक एक राक्षस
के बारे में कहानियाँ सुनाते थे.



अपनी लंबी भुजाओं
और विशाल चूसने वाले अंगों से,
क्रैकन जहाजों को पकड़ लेता था.
वह उन्हें पानी के नीचे खींच लेता था.
वह सभी नाविकों को खा जाता था.

आज हम जानते हैं
कि वे क्रैकन नहीं
बल्की विशाल स्क्विड थे.
वे राक्षस नहीं थे.
हम जानते हैं कि
वे लोगों पर हमला नहीं करते थे.
एक विशाल स्क्विड बिल्कुल एक
सामान्य स्क्विड जैसा ही होता है -
लेकिन बहुत बड़ा!

एक स्क्विड आमतौर पर
1 फुट से भी कम लंबा होता है.
एक विशाल स्क्विड 60 फुट
तक लंबा हो सकता है!
एक विशाल स्क्विड की आँखें भी
किसी भी अन्य जानवर से बड़ी होती हैं.
उसकी आँखें फुटबॉल जितनी बड़ी हो सकती हैं!



विशाल स्क्विड का शरीर छोटा होता है
उसे मेंटल कहते हैं.
यहीं उसका दिमाग, आँखें और मुँह होते हैं.
लेकिन स्क्विड की ज़्यादातर लंबाई
उसकी आठ भुजाओं
और दो लंबे भोजन करने वाले
तंतुओं से आती है.







स्क्विड एक सहज तैराक है.
उसे तैरने के लिए अपनी
भुजाओं की ज़रूरत नहीं होती,
जैसे आपको होती है.
उसकी बजाय, स्क्विड पानी को
अपने मेंटल में अंदर खींचता है.
फिर वह अपने शरीर की मांसपेशियों को कसता है
उससे पानी तेज़ी से कीप से बाहर निकल जाता है.



बाहर निकलता हुआ पानी
स्क्विड को आगे की ओर धकेलता है!
उसके शरीर के किनारे लगे छोटे पंख
स्क्विड को दिशा बदलने में मदद करते हैं.
स्क्विड पानी में गोली की
तरह तेज़ी से आगे बढ़ता है.

स्क्विड, ऑक्टोपस के चचेरे भाई हैं.
सभी जानते हैं कि ऑक्टोपस की भी
स्क्विड की तरह आठ भुजाएँ होती हैं.
लेकिन ऑक्टोपस के
दो अतिरिक्त लंबे भोजन
करने वाले तंतु नहीं होते.
स्क्विड और ऑक्टोपस दोनों ही
सेफेलोपोड्स नामक
जानवरों के समूह से संबंधित हैं.



सेफेलोपोड्स मज़बूत,
बुद्धिमान और तेज़ होते हैं.
उनके शरीर में कोई हड्डी नहीं होती.
वे छोटी जगहों में सिमट सकते हैं.
वहाँ वे छिप जाते हैं
और भोजन की प्रतीक्षा करते हैं.





विशाल स्क्विड का शरीर
अन्य जानवरों को पकड़ने के लिए एकदम सही है.
उसकी भुजाओं पर चूसने वाले
चूसकों की कतारें लगी होती हैं.
प्रत्येक चूसक के पास
नुकीले दांतों का एक घेरा होता है.
विशाल स्क्विड भयंकर होता है.
यह अपनी भुजाओं से मछली को पकड़ता है.

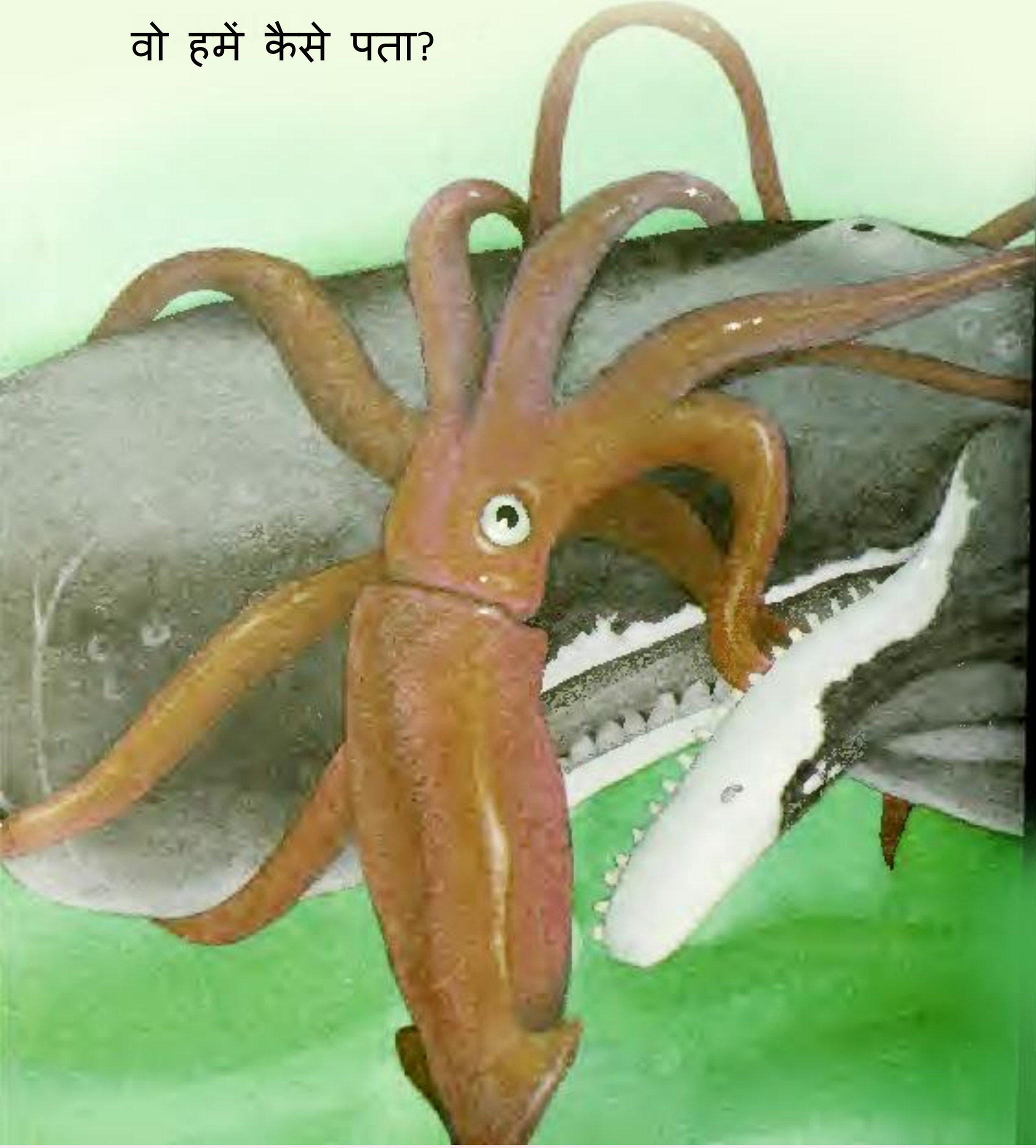
दांतेदार चूसक मछली की
त्वचा में धंस जाते हैं.
फिर मछली बच नहीं पाती.
उसके बाद स्क्विड, मछली को
अपने मुँह की ओर खींच लेता है.
मछलियों के अलावा, विशाल स्क्विड
छोटे स्क्विड और झींगे भी खाते हैं.



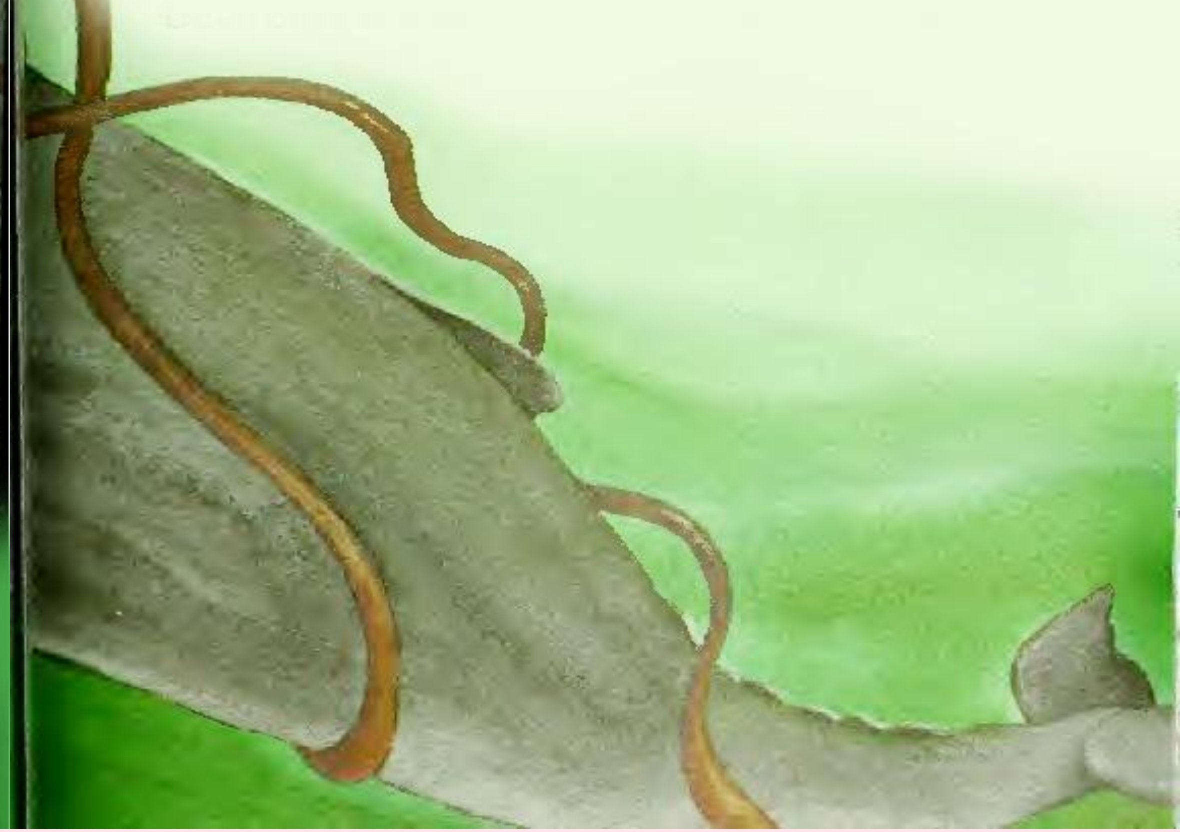
अन्य सेफेलोपोड्स की तरह,
विशाल स्क्विड के मुँह में
एक चोंच होती है.
चोंच?
हाँ!

यह चोंच पक्षी की चोंच जैसी होती है.
यह बहुत नुकीली होती है.
एक विशाल स्क्विड की चोंच
जहाज के स्टील के तार
को भी काट सकती है!

विशाल स्क्विड का केवल
एक ही असली दुश्मन है:
वो हैं स्पर्म व्हेल.
समुद्र की लहरों के बहुत नीचे,
स्पर्म व्हेल विशाल स्क्विड से लड़ती हैं.
वो हमें कैसे पता?



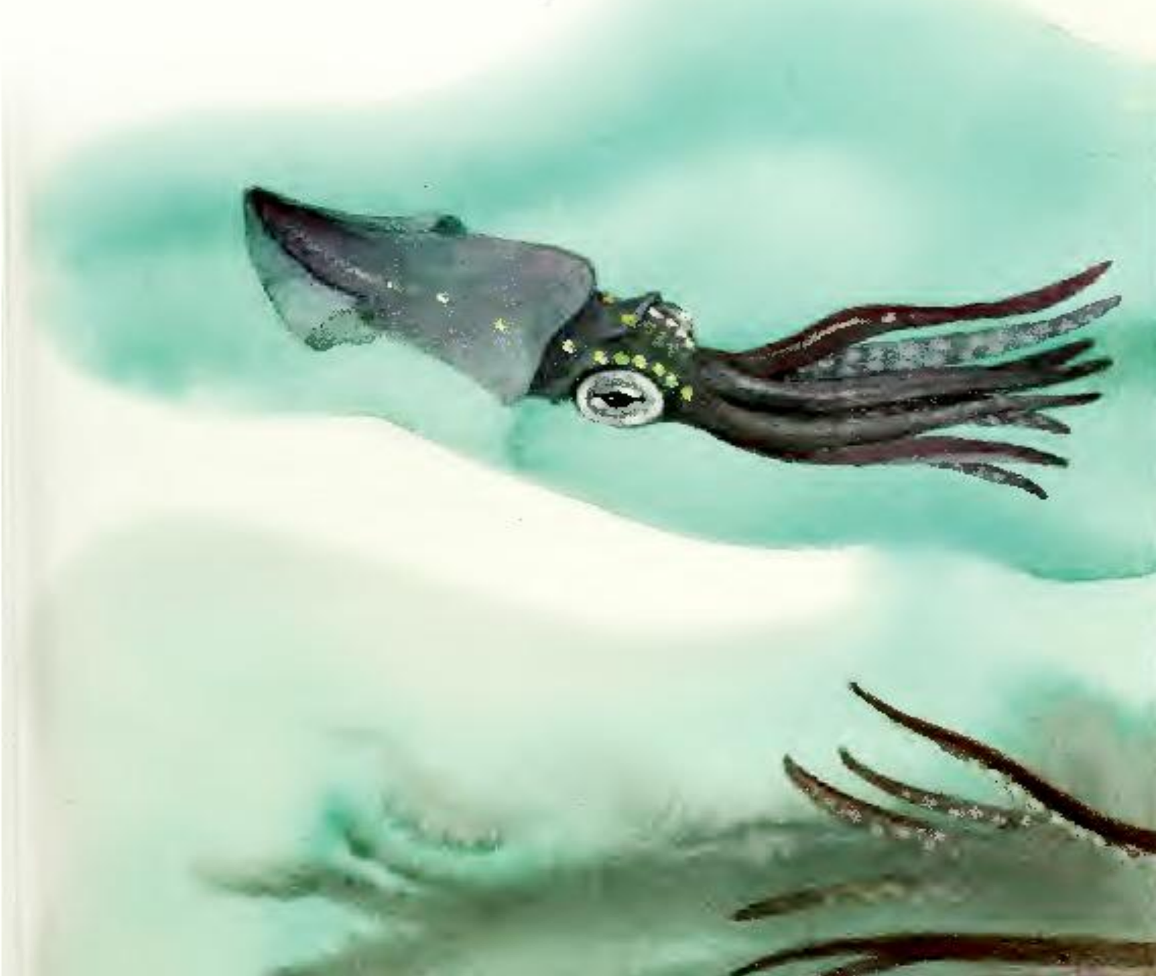
विशाल स्क्विड की चोंच अक्सर
स्पर्म व्हेल के पेट में पाई जाती है.
और स्पर्म व्हेल की त्वचा भी यह
दिखाती है कि वो स्क्विड से लड़ा था.
स्क्विड के चूसक व्हेल पर चोट के
बहुत सारे निशान छोड़ जाते हैं.
लेकिन, इन दो शक्तिशाली
जीवों के बीच की लड़ाई
कभी किसी ने देखी नहीं.



विशाल स्क्विड के बारे में
ऐसी कई बातें हैं जो हम नहीं जानते.
कुछ छोटे स्क्विड अपना रंग बदल सकते हैं
ताकि वे चट्टानों या मूंगों के रंग में मिल सकें.
क्या विशाल स्क्विड ऐसा कर सकते हैं?
हमें नहीं पता.
कुछ स्क्विड अंधेरे में चमकते हैं.
क्या विशाल स्क्विड ऐसा करते हैं?
हमें नहीं पता.



कुछ सेफेलोपोड्स
अपने दुश्मन को भ्रमित करने के लिए
स्याही छिड़कते हैं.
क्या विशाल स्क्विड स्याही छिड़क सकते हैं?
शायद.
शायद नहीं.
यह अभी भी एक रहस्य है.





अध्याय 3

न्यूयॉर्क शहर—जून 1998

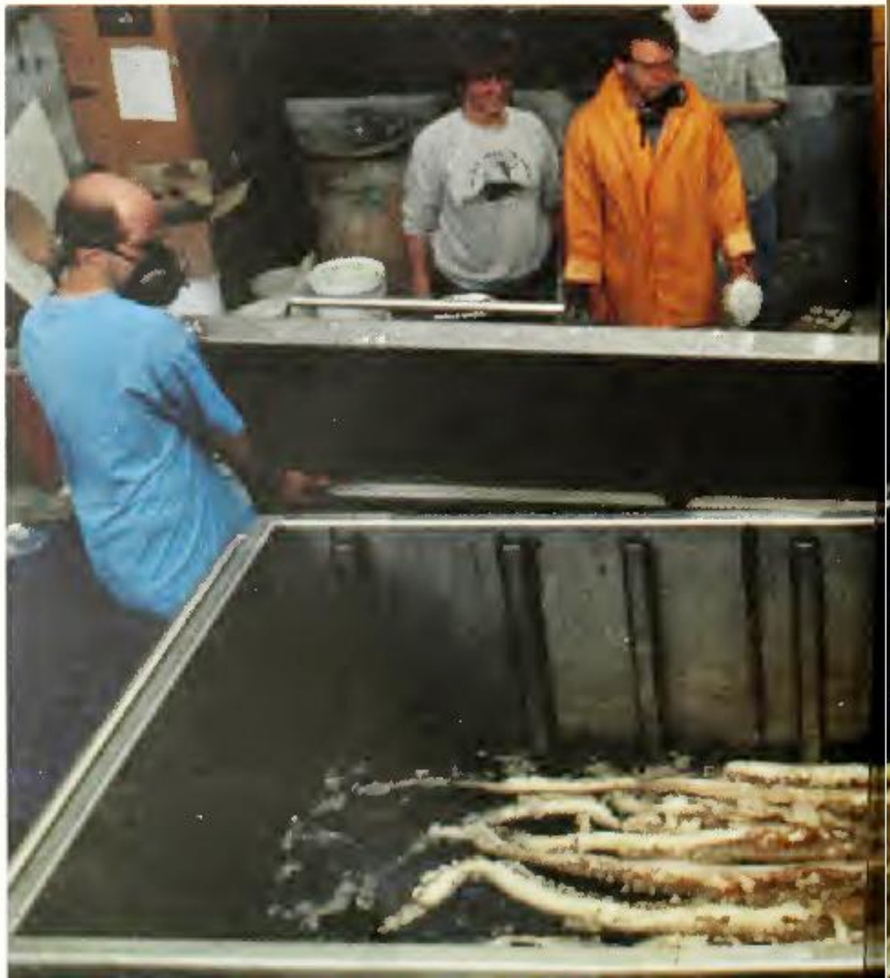
नील लैंडमैन विशाल स्क्विड के
कुछ रहस्यों को सुलझाना चाहता है.
लेकिन सबसे ज़्यादा
वो अपने स्क्विड को देखना चाहता है.



वह हवाई अड्डे के प्रतीक्षालय
में इधर-उधर टहलता है.
उसका पूरा स्टाफ भी
उसके साथ टहलता है.

स्क्विड एक बड़े प्लास्टिक के डिब्बे में आता है.
वो पूरी तरह से जमा हुआ है.
मछुआरों ने उसे इतने लंबे समय तक
इसी तरह सुरक्षित रखा था!
एक ट्रक स्क्विड को संग्रहालय ले जाता है.
अब दिलचस्प काम शुरू होता है!

नील उसे पिघलाना शुरू करता है.
....वह इसमें एक रसायन डालता है
जो उसे ताज़ा रखेगा. यह एक तेज़ रसायन है.
इसे साँस के ज़रिए अंदर लेना स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है.
इसलिए नील और उसके सहायकों
को मास्क पहनना पड़ता है.





दो हफ़्ते बाद

वे स्क्विड को पानी से धोते हैं

वो उसे एक बड़े टैंक में रखते हैं.

वे टैंक में अल्कोहल भरते हैं.

फिर असली काम शुरू होता है.

नील स्क्विड को नापता है.

वह उसका वज़न करता है.

वह उसकी जाँच करता है

उसके मेंटल के ऊपर से

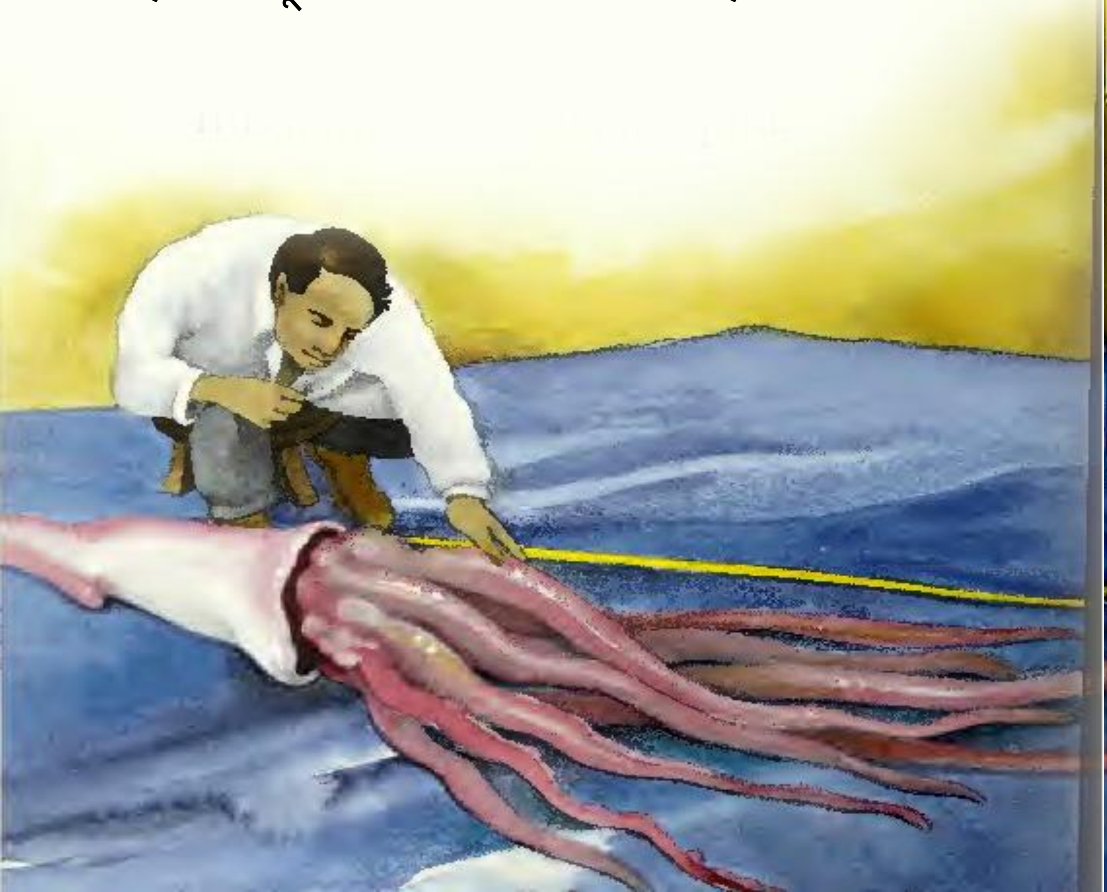
उसके टेंटेकल्स के सिरे तक.

संग्रहालय का स्टाफ

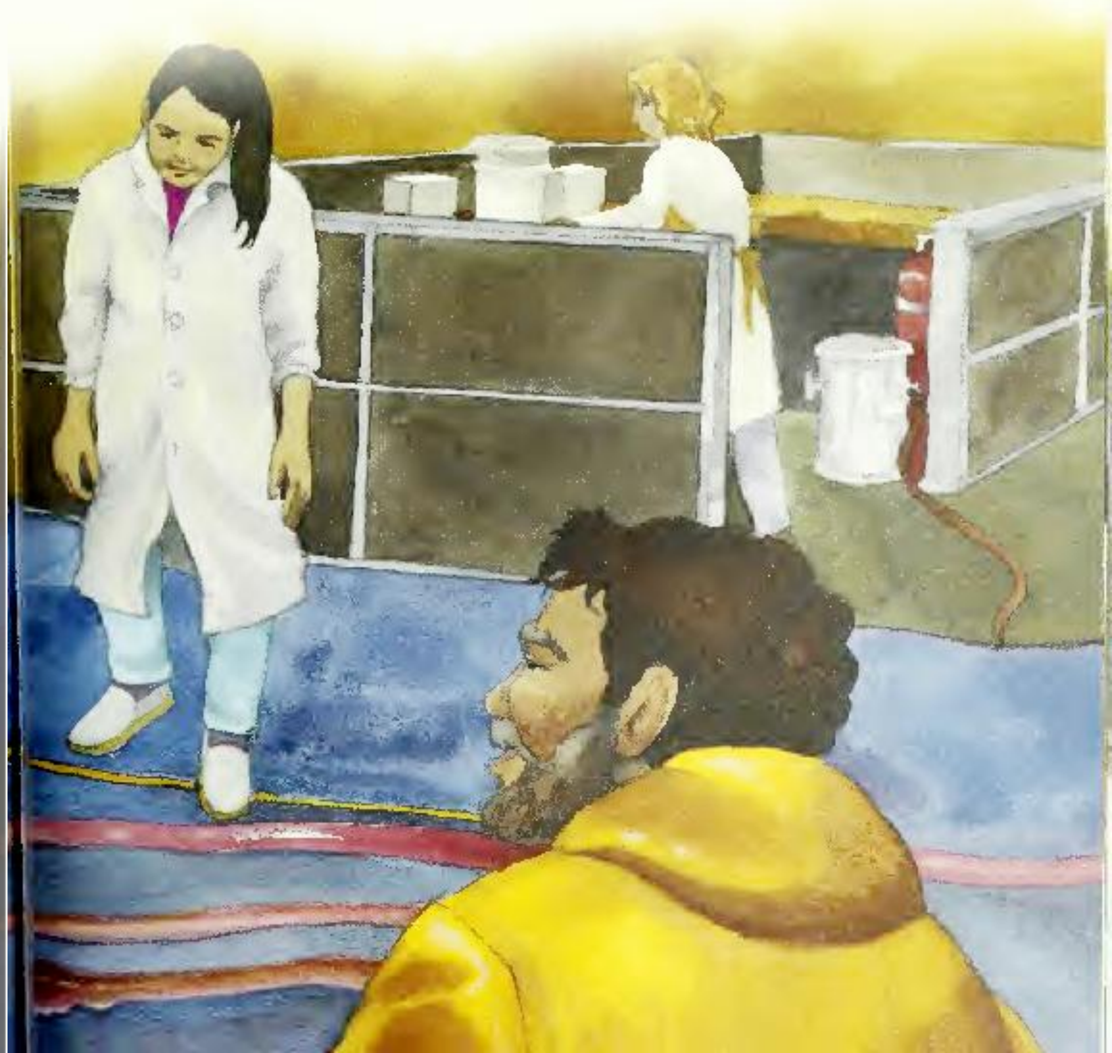
उसकी तस्वीरें लेता है.



वैज्ञानिक इस स्क्विड से बहुत कुछ सीखेंगे.
नील को पहले ही
एक दिलचस्प तथ्य पता चल गया है.
इस स्क्विड का वज़न सिर्फ़ 200 पाउंड है
और वो 25 फ़ीट लंबा है.
पहले तो लोगों को लगा कि यह एक बच्चा है.
लेकिन यह बिल्कुल भी बच्चा नहीं है!
यह एक पूर्ण विकसित नर स्क्विड है.



अधिकांश विशाल स्क्विड
जिन्हें वैज्ञानिकों ने पहले देखा था
वे सभी मादा थे.
नील का स्क्विड पहला पूर्ण विकसित नर है.
इसका मतलब है कि मादा स्क्विड
नर से बहुत बड़ी होती हैं.



नील स्क्विड की चोंच काट देता है.

वह उसे एक जार में रख देता है.

वो चोंच बहुत सुंदर है.

यह लगभग एक सीप (शेल) जैसा दिखता है,

भूरा और पीला.

लेकिन नील ने उसे क्यों काटा?

अब वह चोंच बारे में अधिक जान सकेगा

कि चोंच कैसे काम करती है.

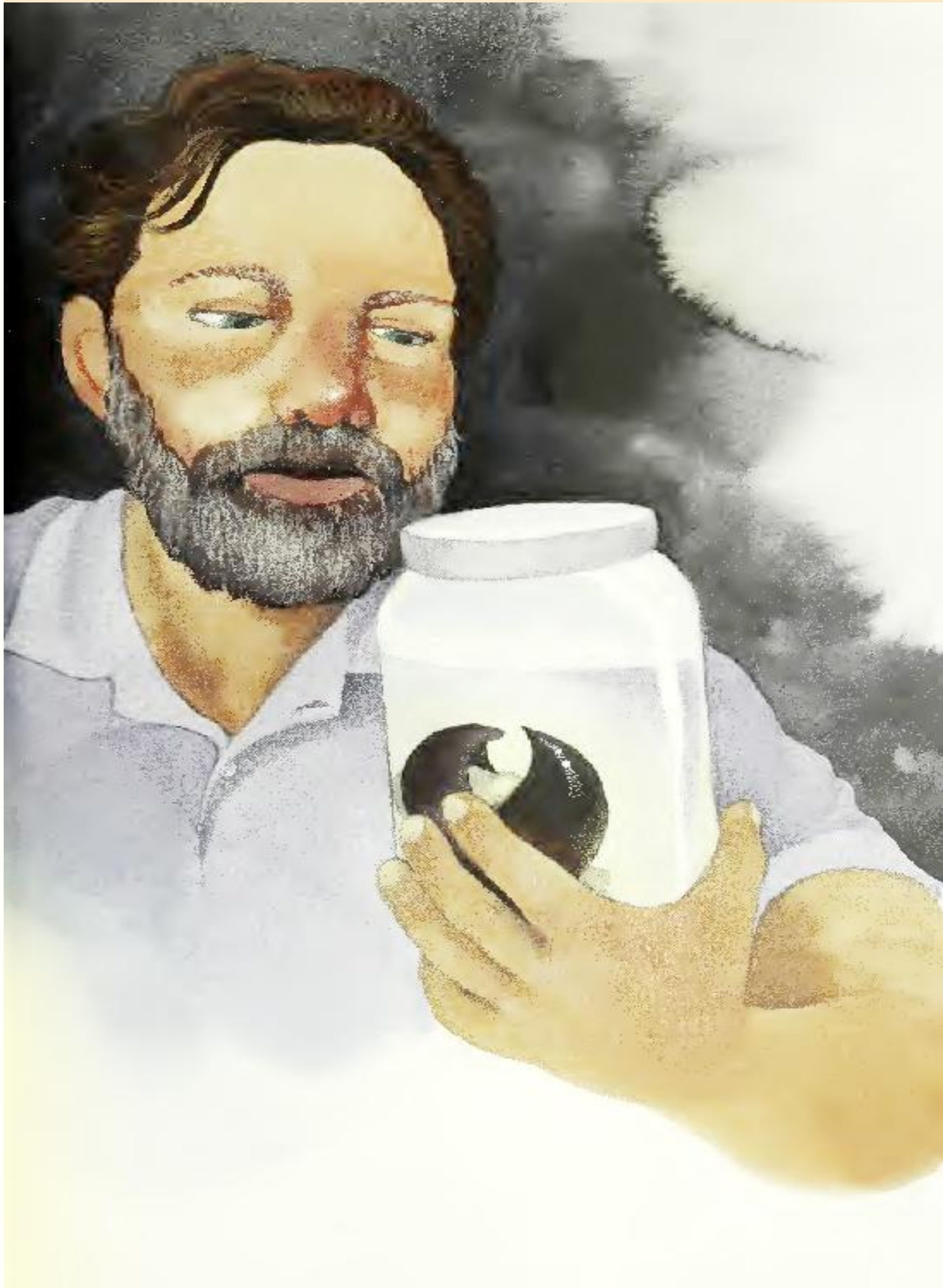
नील चोंच को अन्य

लोगों को दिखाना चाहता है.

जब वो स्क्विड के अंदर थी,

तब उसे देखना

मुश्किल था.



बहुत से लोग नील के स्क्विड को देखना चाहते हैं.
संग्रहालय में काम करने वाले लोग.
स्क्विड विशेषज्ञ.
छात्र जो सेफेलोपोड्स का अध्ययन कर रहे हैं.
इसलिए नील ने स्क्विड को
दिखाने के लिए समय तय किया है.

विशाल स्टील के टैंक को बाहर निकाला जाता है.
उसका ढक्कन हटाया जाता है.
पहले तो सभी पीछे हट जाते हैं.
क्योंकि बहुत तेज़ गंध आती है.
लेकिन फिर लोग देखने के लिए उमड़ पड़ते हैं.
यह एक अविश्वसनीय दृश्य होता है.





स्क्विड प्रसिद्ध हो जाती है.
पत्रकार उसके बारे में
समाचार पत्रों में लेख लिखते हैं.
विशाल स्क्विड में कुछ ऐसा है
जो सभी को रुचिकर लगता है.

अभी केवल कुछ ही लोग
स्क्विड को देखने आते हैं.
लेकिन नील को उम्मीद है
कि जल्द ही सैकड़ों लोग
उसे हर दिन देख पाएंगे.
उन्हें उम्मीद है कि स्क्विड को
संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा.



तब सभी बच्चे
समुद्र के इस महान रहस्य
के बारे में और जान पाएंगे.



विशाल स्क्विड

गहराई का रहस्य

विशाल स्क्विड दुनिया के
सबसे बड़े रहस्यों में से एक है.
वो समुद्र की अतल गहराई में,
मानवीय नज़रों से दूर, रहता है.
लेकिन पिछले साल
मछुआरों को एक स्क्विड मिला—
यह मृत था, लेकिन पूरा था!
अब वो नमूना
अमेरिकी प्राकृतिक
इतिहास संग्रहालय में है.
वैज्ञानिकों ने उस अद्भुत
जीव से क्या सीखा?
पढ़ें और जानें!

